

नगरपालिका वरीष्ठ न्यायदाली मंडळ दिनांक २९-१०-७३
जी. सुपराष्ट्र मंडळी घातिल्या त्यामुळे हावना या प्रमाणे
होई अतिशयित मान्य लोकांसाठी कोर्टाच्या अधिकाराने

(खलीक) चन्द्र प्रियम्)
ओधिशाही ओधिवाही
नगापालिव्या प्रीषद,
जौनपुर !
29-10-99

Scanned with OKEN Scanner

नगरपालिका परिषद, जीमूरा की बैठक दिनांक 29-10-89

की कार्यवृत्ति ।

बैठक शुरू होने के पूर्व मान्य अध्यक्ष, श्रीमती लक्ष्मणराणी जीवातव ने कहा कि मेरान के नवदुर्गा पूजा की समारोह के बाद रात 8:00 के प्रारम्भ में होने वाली प्राद्विपुली बैठक में सदन में उपस्थित मान्य (नगरपालिका) अधिकारियों और अन्य अधिकारियों। 'नर्मचारिया' का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत व्यक्त है। मुझे अज्ञा नहीं ज्ञान विश्वास है कि विगत चौदहों में हम सबने मिलकर सभी समस्याओं का निदान का एक झट्टा दबि नगर की जनता के सामग प्रस्तुत किया है, इसी आशा एवं विश्वास के साथ आगामी दोपावली, लक्ष्मी पूजन पर्व या भी समुचित व्यवस्था बनाये रहेंगे। तत्पश्चात श्री श्रीमोहन पावन ओझी-लीपक को बैठक की कार्यवाही शुरू करने के लिए निर्देश देती हैं।

प्रस्ताव सं०-१।

पिछली बैठक दिनांक 31-7-89 की कार्यवृत्ति-पिछली प्रति सभी मान्य नगरपालिका के पूर्व में उपलब्ध कराई जा चुका है, उसके सम्बन्ध में श्री वकील अहमद मज्ली मान्य नगरपालिका ने कहा कि मान्य अध्यक्ष जी, सदन में बैठे मान्य नगरपालिका अधिकारियों, तथा अधिकारियों नर्मचारियों बन्धु पट्ट बैठक दोपावली पर्व के पूर्व हो रही है, मैं दोपावली पर्व का आप सभी को अपना तर्फ से बधाई देता हूँ और पिछली कार्यवाही दिनांक 31-7-89 तक की जाने की बात है। इसके सम्बन्ध में मुझे कहना है कि पिछली कार्यवृत्ति के प्रस्ताव सं०-१ के सम्बन्ध में जहाँ पर सदन के सम्बन्ध में चर्चा किया गया था। जैसा कि वास्तव के बाद नगर की सड़कों गलियों में चली लोहे की कि सड़कों गलियों की दशा बेहद खराब है। पिछली बैठकों में सदन की आश्चर्य व्यक्त जाता रहा है कि सड़कों का कार्य का दिया जायेगा, लेकिन वह कार्य अब तक नहीं हो पाया। मैं यह चाहता हूँ कि सहायक अभियन्ता महोदय आश्चर्य को कि क्या उद्दिष्टाओं मिल गया है तथा सड़कों के मुलाबक 36 सड़कों के इलाका जो गलियाँ खराब हैं उस पर कार्य कर तक पूरा करा देंगे।

29-10-97

आगे सहायक अभियन्ता श्री मशवन्त कुमारे ने
लेखन को बताया कि इसी मैकलपाल्ट को बनाया
नहीं हो पाया है। मैं कुवानो पीतलुगो में गया बात
विषय लेकिन वह मैकलपाल्ट देन का तोफा नहीं है।
बिना मैकलपाल्ट के पैचवक कालम्बव है।
जहाँ तक गड़कों की बात है कुछ लड़कों जैसे
गल्लगी रोड, टी.वी.आपनाल रोड, व अन्य कई रोड
पर भी रोड आदि बड़ी गिराटी डालकर लड़कों
लेबलिंग का कार्य हुआ है, मैकलपाल्ट को दोष
अन्य कार्य कुछ हद तक हुआ है।

आगे श्री वकील इंदर प्रसाद मान्य जमानद ने कहा कि बात पुनः वही आ रही है कि मैकलपाल्ट
में मिलने के कारण कार्य नहीं हो पा रहा है क्या
जोड़ के अलावा बंगाल व अन्य जगह-पड़
के मिलने से मैकलपाल्ट लाकर कार्य नहीं हो पा
जा सकता था। अभी पी.एच.ए.सी. में चिंग तालुके
ले जा रही है और नालपालिका नहीं कर पा रही है,
ऐसे में इस जंगल को क्या जवाब देंगे किताबों
नहीं मिल पा रहा है, इसलिए मैं यह कारवाय
चाहता हूँ कि आप जब तक लड़कों का कार्य
करा देंगे।

आगे श्री रामलाल शर्मा मान्य जमानद ने कहा
कि पट्टेगी रोड पर जहाँ से प्रारम्भ होता है वहाँ पर
कार्य गड़बा है, क्या इसे भरापा गया है। नहीं भरापा
गया है। आगे श्री लतीश कुमार जोगवाल मान्य जमानद
ने कहा कि पैचवक के बारे में मैं यह जो कहा चाहता
हूँ कि मेरे क्षेत्र में जो न-कोन को लड़के को गड़बा है और
क्या क्या कार्य ~~करे~~ करे अब तक हुआ है। श्री
श्रीधर राय शर्मा अवल अभियन्ता निमोन ने बताया
कि चित्तलारी रोड पूर्व लड़के के बगल से जाने वाला
रोड पर कार्य हुआ है। तब श्री लतीश कुमार जोगवाल
मान्य जमानद ने कहा कि तब आपका जागना नहीं
है और मैं इस लड़के के माध्यम से अनुरोध करना
चाहता हूँ कि मेरे क्षेत्र से श्री श्रीधर राय शर्मा अवल
अभियन्ता को देटा दिया जाए और मेरे क्षेत्र का
लव्हाल कार्य कराया जाए।

आगे की जगहों पर नुमा लिखना मान्यताओं में
 कहा कि मान्यताओं को विद्वानों की ओर से पहचान
 होती चली आ रही है लेकिन लक्ष्य है मर्यादा की भावना (वैत
 दुष्ट मर्यादित शब्दों का प्रयोग करने की बात सबको बतानी
 चाहिए। जब कोई एक चर्चा हुई है, तो सम्बन्धित व्यक्ति
 का दीपत्व है कि उस पर उनको ध्यान देना चाहिए आपसे
 सम्बन्धित बताना पड़ा और आपका पूर्ण उपलब्ध बनाना पड़ा।
 ऐसा कि अभी मान्यताओं को मंजूरी जो मैं बताया कि
 मैनेज्मन्ट का पैचवर्क नहीं हुआ है, यदि मैनेज्मन्ट रोड पर
 गलत मिलान या तो वहाँ पैचवर्क का दिया गया तो उसी
 तरह हमारे मैनेज्मन्ट का व्यापक का दिया गया होता तो अन्य
 का खर्च ब्रिगल नु होता।

आगे आपशाही आपका ही सतीराचन्द्र गिरी ने
 मान्यताओं को अनुमति है लक्ष्य की बताया कि अभी
 मान्यताओं को मंजूरी जो मैं जो पुष्टि के तौर पर
 बात उठाई है, उसके सम्बन्ध में अभी लक्ष्य को अभी आपका
 मैं जो बताया है वह पूरी तौर पर नहीं बता पाये। यहाँ
 पर मैं दो बिन्दु पर कहना चाहता हूँ एक तो पैचवर्क
 तथा दूसरा मैनेज्मन्ट के सम्बन्ध में कहना चाहूँगा
 मैंने पता चला मैनेज्मन्ट के विषय में विषय का
 लेकिन मैनेज्मन्ट उपलब्ध नहीं है पापा, मैंने पी०
 डब्ल्यू० डी० से सम्बन्धित कि तो उन्होंने मैं भी अनुपलब्धता
 बताई। मैं इसके लिए प्रयास करूँ और मैं ही
 मैनेज्मन्ट उपलब्ध है आपका पैचवर्क का दिया
 जायेगा। मैं पूरा व्यापक तो नहीं का पापा लेकिन दुर्भाग्य
 महाभूमि में कह कि गड़बड़ों में गिरती गिरती
 झूलका लड़क पा चलन लापक बना दिया जाय अतिवृष्टि
 है लगभग सभी लड़कें दूरी हुई है। मिश्रित रूप से
 अतिवृष्टि से दूरी लड़कें का चुनाव, दुर्भाग्य का
 देखते हुए हफ्ता लगाकर व्यापक को कराया जो लोभित
 है लेकिन अब पूरा-पूरा प्रयास करके मैनेज्मन्ट
 आदि भगवान् दूरी लड़कें का व्यापक का दिया
 जायेगा। मान्यताओं को मान्यताओं को है गिरती
 या और उन्हे उल्लास लगाया है श्रवण भी बताया
 था, इस पर उन्हे आश्वासन भी मिला था आगे
 नगा मैं ॥ जगद पन्थ लगाकर जल निवास

बनाने गई, इस लड़की पर गठित हो गिरी, यह
है और यह है कि बाराह को गई।

जारी कृत मारा खाली मान्य लमालद ने
मन्त्रालय इसी क्षेत्र में गलबुन श्राद्ध कर्म
लोकतन्त्र शीघ्र की पीचन का कार्य हुआ कि नहीं
इस पर ही रूप अन्त अतिप्रता ने कहा कि पूजा-यज्ञ
लिखावट निम्न से जारी है रहा है।

प्रस्ताव सं-3

इस लमालद में पूर्ण मंजूरी ने चली की
और कहा कि इस प्रस्ताव में जो अन्तर्गत रूप
मान्य को नोट तब हुई तो लमालद शीघ्र शालीन
की परा माना गया, अनुदान को क्या लिखित है
इस पर जो रक्त कृत अतिप्रता ने लमालद
लिखित मंजूरी गयी है, लमालद को जो रक्त
लिखित रूप दिया है, उसका अनुदान शालीन को
पर लिखित जायेगा।

प्रस्ताव सं-7

जो मंजूरी मान्य लमालद ने इस प्रस्ताव में प्रकाश
विभाग है लेवीयत जो भी लमालद कृत किने जो रक्त को रक्त
में जो मन्त्रालय चाली कि लमालद वर्ष 99 का पूरा वर्ष का जो बजट
मान हुआ था लमालद इस तब को लमालद अन्तर्गत लमालद
है चली है निजले कृत मन्त्रालय का लमालद लमालद है लमालद
लमालद लमालद लमालद है। इस पर अतिप्रता अतिप्रता ने
लमालद को लमालद लमालद कि यह लमालद लमालद का
लिखित है लमालद में लमालद लमालद लमालद लमालद।

इस प्रस्ताव में लिखित लमालद को लमालद
अन्तर्गत के उपरान्त लमालद लमालद लमालद लमालद।

वित्त लिखित को लमालद
पि. 13-10-99 में पारित
लमालद विभागों में आया
प्रस्ताव वावत (1) लमालद
परिषद् लमालद के
लमालद लिखित लमालद
चाली लमालद लमालद लमालद
(लमालद लमालद) लमालद
लमालद लमालद।

प्रस्ताव सं-2 पढ़ा गया। जो
ज्यात लमालद मान्य लमालद ने
कृत कि लमालद लमालद लमालद
को लमालद लमालद लमालद लमालद
लमालद लमालद लमालद लमालद
अन्तर्गत लमालद लमालद लमालद
ने कहा कि लमालद लमालद के
पट्टे को लमालद लमालद लमालद
गयी है और लमालद लमालद लमालद लमालद।

1. (अ) प्रसिद्धि के लिए राजकीय पत्रों में
विज्ञापन या उद्घोषणें गणना
की शासनोद्देशीय और उद्घोषणात्मक
में वही-दोस्त वर्ग के
लेखन में।

(क) नदीगोल, तारापूर, कटपरा
की भीम जो पूर्व में नीलाग
की गढ़ की, उसे वर्तमान
राजा भाव है देवदत्त
द्वारा न लेने या की गढ़
नीलाग की वित्त कमेटी
के माध्यम से निष्ठा
मिले हुए बौद्ध कलक
अनुमोदन देव।

(ख) के लेखन में भीम कहना है
कि देवदत्त का नाम न मिलेगी
या देवदत्त निम्न वर्ग के बात
कहा गया है, तो कितने का देव
है और कितना जमानत जमा
विषय गया है और जो जमानत
जमा है उसे जप्त करते हुए
निष्ठा कर विषय जाप और
पुनः नये जोर से देवदत्त
विषय जाप।

और भीम चन्द्र मान्य समाजिक
में कहा कि पहिले यह पुलाव
ल्योगत का विषय जाप कोषिक
अभी गया शासनोद्देशीय हुआ,
शापद वह न आया हो जबतक
गया शासनोद्देशीय न आ जाप
वही यह पुलाव लाया जाप।

और मंगलेश्वर कुप्राणिना
मान्य समाजिक और वकील अद्वैत
मंगलेश्वर और मान्य समाजिक
पूरा पुलाव पर चर्चा करने के
उपरान्त सब समाज से इस पुलाव
को लपटित करने हुए अगला
बैठक में लोग देव निरीप विषय
गया।

इ- विचार समिति की बैठक दिनांक
13-10-99 में जारी जलकल
विषय गोप्य पुलाव बाबत वर्ष
99-2000 के लिए अलग-
अलग ग्रेड-2 की कृपया
बौद्ध पुलाव लेख-2 दिनांक
31-7-99 द्वारा 22 मई 2000
की कृपया मेलन और राग
एंग के प्रवक्तृ जलकल
और मेलन से 25/9/01-
की दावा की गई अब

पुलाव (नम्बर-3) पढ़ा गया
और लेखन विषय लेखनीय
विषय गया।

शेष 40 मीटर तक बांधा गया है।
 गे. 2 के कृषिदाता के नाम
 खेती के लिये रु. 1,07,124/-
 का स्वीकृति देकर परिषद के
 समक्ष प्रेषित।

4- विचलितों को बंधक 1310-99 प्रस्ताव संख्या 5 पढ़ा गया और
 में प्रतीत जलवायु विभागों पर सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
 प्रस्ताव को बताने वालों को 30
 गे. 2 के कृषिदाता के रूप में
 बान्हेवर के कृषिदाता 9 मीटर तक
 के रूप में 98,910/- जो मिला
 वी को इन्हें प्राप्त करने के लिये
 निम्नलिखित गमा था, पुनः
 कृषिदाता के जलमगम
 लावा आ एवं अन्य विभाग
 से रेट बान्हेवर तथा मिमाता।
 आश्वी को जल बाला को जो
 द पत्र आभारानु विभागों में
 प्राप्त द पत्रों में जान्यता
 होगा, के आचार्य पर कृपया
 को स्वीकृति प्रदान करने दे
 प्रस्ताव परिषद के समक्ष
 स्वीकृति प्रेषित।

विचलितों को बंधक 1310-99 में
 प्रतीत प्रस्ताव को बताने वाले 99
 निमित्त 99 तक आयु को
 लेखा पर विचारार्थ को के
 समक्ष प्रेषित।

प्रस्ताव संख्या-5 पढ़ा गया।
 श्री गुरुदास चन्द शर्मा, मान्य
 जलसद ने कहा कि वह बाला
 कामेचारी को का ल्याना चाहते हैं
 पूरे बंधकों में कहा गया था
 लेकिन अब तक नहीं हुआ।
 दूसरा आश्चर्यपूर्ण आश्चर्यकारी
 ने आश्चर्य कि क्या कि
 लोभवाले तक ल्याना चाहते
 का दिया जायेगा।

श्री बबूल आहयद ने
 मान्य जलसद ने कहा कि:

पॉलिवा के जो मासिक आप के
शेव है वह कम होता जा रहा है
उसे बढ़ाया जाय, जो पूर्व से
बढ़ती हो रही थी उसका बढ़ती
नहीं हो पा रहा है। असेलगेट
रीजल के रिपोर्ट यह है कि
उनके पन्ने पॉटे हुए हैं, उसे
पुनः बनवा दिया जाय। इस
पर मा० अक्षय ने लक्ष्य
को बताया कि 2 कर्मचारी
पॉटे असेलगेट रीजल
को नया लेना वाले हेतु
लगाने पर गये हैं। पुस्ताव
पूर्व लम्बाई से लंबाया
दिया गया।

6- बिस्स जीर्णोद्धार के 6 वें
दिनांक 13-10-99 में पीएल
पुस्ताव बाबू के तम जीर्णोद्धार
के छह प्रतिशत पर लिए
गये निरीप के अनुसूच
मूल्यान विषय मन्त्रालय
द्वारा में संशोधन लम्बाई
शा० सं० जी - 373/दल-99-
209/99 दि० 11 जून, 1999 वित्त
लामान्य अनुभाग-1 द्वारा
नगरपालिका कार्यालय के
मन्त्रालय विभाग में बढ़ाव
पुस्ताव मन्त्रालय लक्ष्य से
गए हैं, के निपटारे अवाप
को एकीकृत हेतु बोर्ड के
समक्ष अनुमोद मंजूर प्रस्ताव।

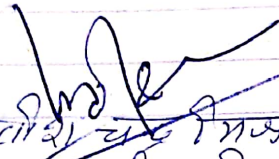
पुस्ताव संख्या - 6 पढ़ा गया।
लक्ष्य लम्बाई से लंबाया दिया
गया।

7- अन्य विषय मा० अक्षय के
अनुमति से -

29-10-99.

नगर में अतिक्रमण के निबन्ध में चर्चा की जाती है।
 नगर निगम मान्य सभासद ने उद्घाटन और कहा कि
 पूरे नगर में अतिक्रमण नियंत्रित होना चाहिए।
 आवागमन बाधित हो रहा है, ऐसा क्यों है? इस पर
 इस पर अधिकशासी अधिकारी ने बताया कि प्रभाव
 तो निम्न जा रहा है, किन्तु उतना सार्थक प्रभाव नहीं हो
 सके पाया है क्योंकि चुनाव का स्थिति का देखते
 हुए पुलिस बल के न मिलने से अतिक्रमण अभियान
 नहीं चल पाया। श्री लतीश कुमार ने कहा कि उन्हें
 चैतरे से मार्ग देना तक पर वचन वाले के पट्टे
 कीरे हुए हैं उन्हें हटवाया जाए। श्री वकील कदम
 मंत्री मान्य सभासद ने कहा कि पूरे नगर में अतिक्रमण
 को नियंत्रित है इसके लिए सिरों मालिट्टे ने मिलकर
 पुलिस बल लेकर जापेवाही का जाए।

अन्त में मान्य अध्यक्ष ने सदन में उपस्थित
 मान्य सभासदों, अधिकारियों एवं सभी कार्यो का
 धन्यवाद देते हुए बैठक का समाप्त किया।


 (लतीश चंद्र मिश्र)
 अधिक शासी अधिकारी,
 नगरपालिका परिषद,
 जौनपुर।

29-10-99


 (संघपारमजी श्रीवास्तव)
 अध्यक्ष,
 नगरपालिका परिषद,
 जौनपुर।

29-10-99.